वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 278 | सोमवार 5 फरवरी 2024 | दैनिक ई-पेपर

# शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

## लोकसभा चुनाव की तैयारियां तेज

**जयपुर. कासं।** लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटे भाजपा के शीर्ष संगठन ने सभी नेताओं को एकजुट करने के लिए रविवार को भाजपा की कोर कमेटी की बैठक में एक अनूठा प्रयोग कराया। इस बैठक में सभी नेताओं को टिफिन लेकर बुलाया और टिफिन एकसाथ शेयर कराएं गए। जो नेता टिफिन नहीं लाए थे, उनके लिए पार्टी कार्यालय से भी टिफिन अरेंज्ड हुए। इसके बाद सीएम भजनलाल शर्मा, पूर्व सीएम वसुंधरा राजे, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी समेत कई नेताओं ने एकदूसरे के साथ टिफिन शेयर किया। सीएम भजनलाल शर्मा बॉयल्ड फूड लेकर आएं थे, उधर वसुंधरा राजे का लाइट फूड था। एक दूसरे के टिफिन चखने का दौर चला। इस दौरान चर्चा ये चली कि अच्छा है लगभग सभी नेता ऑयली और तीखा नहीं खाते है। बैठक में भाजपा की ओर से रविवार को शुरू किए गए गांव चलो अभियान को लेकर चर्चा की गई। इसमें सभी जिला कमेटियों से संबंधित लोग गांवों में 24 घंटे बिताएंगे और वहां फीडबैक लेंगे, ताकि केंद्र की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाया जा सके। प्रचार-प्रसार कैसे हो, मोदी की योजनाएं बूथ व वार्ड तक कैसे जाए, इसे लेकर भी बैठक में चर्चा की गई। गांव चलो अभियान के जरिए लोगों तक मोदी सरकार की योजनाओं को पहुंचाया जाएगा।

# 'इंडिया 2026 ओलिंपिक में सबसे ज्यादा मेडल लाएगा'

### राज्यवर्धन बोले-बच्चों को खेलने दें, बचपन से ही सेलिब्रिटी न बनाएं

**जयपुर. कासं**

जेएलएफ के चौथे दिन चारबाग वेन्यू में चल रहे सेशन में राजस्थान के मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ बोले- खेलो इंडिया ने हजारों स्पोर्ट्स पर्सन की लाइफ को बदला। लोग कहते थे कि इन खिलाड़ियों का खर्चा कैसे चलता है। प्राइम मिनिस्टर ने इन खिलाड़ियों के लिए पैसों की व्यवस्था की। हम काफी सारे स्पॉन्सर लेकर आए। इससे इन खिलाड़ियों को काफी प्रोत्साहन मिला। आज हमारे खिलाड़ी पूरे विश्व में अपने देश का नाम ऊंचा कर रहे हैं। चाहे वह कोई भी गेम हो, ओलिंपिक में भी भारत लगातार अपने परफॉर्मेंस को बढ़ा रहा है। ये सब कुछ हो रहा है। उसका पूरा श्रेय खेलो इंडिया को जाता है। उन्होंने कहा- सारे खिलाड़ी सिलेक्ट नहीं हो सकते। जैसे आर्मी जवानों की भर्ती करता है। उनमें से कुछ सिलेक्ट जवान ही युद्ध के मैदान तक जा पाते हैं। खेल की दुनिया में भी बहुत सारे खिलाड़ी आते हैं। उनमें जो बेस्ट होते हैं, वो ही आगे जा पाते हैं। मुझे गर्व होता है कि मैं भी एक स्पोर्ट्स पर्सन रहा और अपने देश के लिए मेडल ला सका। राज्यवर्धन बोले- जब मैं एथलीट था, उस वक्त सुविधाएं बहुत कम हुआ करती थीं, लेकिन खेलो इंडिया ने देश में एथलीट के कंडीशन में बड़ा चेंज किया। राज्यवर्धन सिंह बोले हमारे में से बहुत सारे लोग हैं, जो गली की सड़कों पर खेले और आगे चलकर चैंपियन बनें। चैंपियंस कभी ओलिंपिक के ग्राउंड में तैयार नहीं होते। गली मोहल्लों और हमारे आपके गैराज में चैंपियंस तैयार होते हैं। राज्यवर्धन ने कहा- देश में एक बहुत बड़ा बदलाव आ रहा है। आज हमारे स्पोर्ट्स पर्सन ओलिंपिक में अच्छा कर रहे है। मैं आज इस मंच से कहकर जा रहा हूं कि 2026 के ओलिंपिक में इंडिया लीड करेगा। इसमें भी राजस्थान सबसे आगे रहेगा। हरियाणा के पास आज सबसे ज्यादा मेडलिस्ट हैं, लेकिन जब उनके पास हो सकता है तो राजस्थान के पास क्यों नहीं। उन्होंने कहा यहां बहुत सारे गेस्ट विदेश से हैं। ब्रिटिशर्स ने कहा था गेम्स आर नॉट फॉर ब्राउन पीपल एंड ब्राउन पीपल कांट विन मेडल्स। मैं ये कहना चाहूंगा आने वाले 2026 के ओलिंपिक में इंडिया लीड करेगा। राज्यवर्धन बोले- अपने बच्चों को खेलने दें। उन्हें बचपन से ही सेलिब्रिटी न बनाए। आपकी सोच उनके ऊपर न थोपे। उन्हें खेलने दें। जब उसे कुछ बनना होगा, बन जाएंगे। जब मैं जयपुर ग्रामीण से सांसद था, उस समय सेना भर्ती के लिए कैंप लगाया था। मैं वहां गया तो मैंने वहां पूछा- सेना में लड़कियों की भर्ती क्यों नहीं होती है। आज मैं बड़े गर्व के साथ कहना चाहूंगा कि बड़ी संख्या में हमारी बेटियां आज सेना में शामिल हो रही हैं।

# पारंपरिक खाद्य पदार्थों को लेकर फैला रहे जागरूकता

### जयपुर न्यूट्रीफेस्ट बोले एक्सपर्ट- 'गांवों में कैंसर के रोगी कम, वहां जीवनशैली और पारंपरिक खाने पर जोर'

**जयपुर. कासं**

'हम अक्सर कहते हैं जैसा देश वैसा वेश तो देश के हिसाब से खान पान क्यों नहीं अपनाया जा रहा है, पारंपरिक खाद्य पदार्थों से दूरी बनाने के साथ-साथ अव्यवस्थित जीवन शैली भी कैंसर जैसी बीमारी का बड़ा कारण है'। वर्ल्ड कैंसर डे के अवसर पर आयोजित चर्चा सत्र में राजस्थान विश्वविद्यालय के जूलॉजी डिपार्टमेंट के एसिस्टेंट प्रोफेसर प्रियदर्शी मीणा ने यह बात कही। इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर लाइफ साइंसेज (आईएसएलएस), राजस्थान विश्वविद्यालय के ईसीएच इन्क्यूबेशन सेंटर द्वारा जवाहर कला केन्द्र के शिल्पग्राम में 5 फरवरी तक आयोजित जयपुर न्यूट्रीफेस्ट में रविवार को 'कैंसर के विरुद्ध जंग-कैंसर से बचाव में खान पान की भूमिका' चर्चा सत्र रखा गया। प्रो. प्रियदर्शी मीणा ने कहा कि शहरों के मुकाबले गांवों में कैंसर के रोगी कम देखने को मिलते हैं इसका मुख्य कारण है कि वहां पारंपरिक खाद्य पदार्थों के सेवन के साथ-साथ जीवनशैली का भी ध्यान रखा जा रहा है।

### 'गेहूं-चावल पहुचाएंगे जहर की तरह नुकसान'

ईसीएच कॉर्डिनेटर प्रो. सुमिता कच्छावा ने आईसीएमआर की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि जो गेहूं और चावल हम अधिक मात्रा में खा रहे हैं वे 10 साल के भीतर जहर की तरह नुकसान पहुंचाएंगे क्योंकि इनके माइक्रोन्यूट्रिएंट में गिरावट आती जा रही है। उन्होंने बाजरे समेत अन्य मोटे अनाज खाने पर जोर दिया। डॉ. वंदना चौधरी ने कहा कि हमें जीवन के प्रति सकारात्मक रवैया अपनाना चाहिए।

# कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में शिक्षण और सीखना

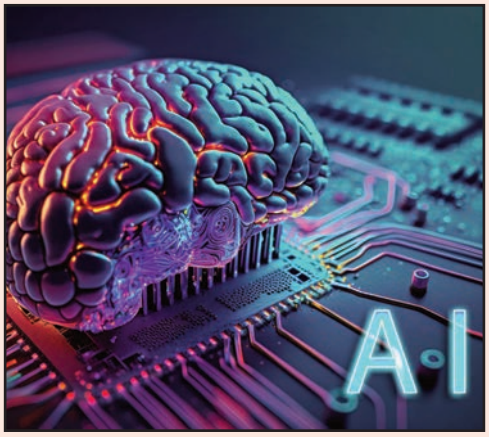


विजय गर्ग

जैसे-जैसे डिजिटलीकरण तेजी से बढ़ रहा है, शैक्षिक प्रणालियों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का अभिसरण एक आवश्यक क्रांति बन गया है। अभिसरण ने शैक्षिक परिदृश्य की फिर से कल्पना की है जो प्रत्येक छात्र की प्रवृत्ति के अनुरूप व्यक्तिगत सीखने के मार्गों की विशेषता है। एआई सशक्त अनुकूली प्लेटफार्मों के माध्यम से, छात्र अब अद्वितीय शिक्षण प्रक्षेप पथों को नेविगेट कर सकते हैं, अपनी आंतरिक शक्तियों और कमजोरियों के अनुरूप गति से अनुरूप शिक्षण और सीखने के संसाधनों का दोहन कर सकते हैं। शिक्षक, विशेष रूप से शिक्षक और व्याख्याता, असंख्य प्रशासनिक कार्यों को सुव्यवस्थित करने के लिए एआई की क्षमता के भीतर एक अवसर पाते हैं। बदले में, उन्हें कमजोर छात्रों को बेहतर सीखने में सहायता करने के लिए व्यक्तिगत सहायता और मार्गदर्शन के लिए अधिक समय मिलता है। इसके अलावा, एआई भाषा अनुवाद और टेक्स्ट-टू-स्पीच सेवाएं जैसे उपकरण प्रदान करके पहुंच संबंधी अंतराल को पाटता है, जिससे विविध शिक्षण विधियों और आवश्यकताओं वाले छात्रों के लिए समावेशिता सुनिश्चित होती है। बहरहाल, एआई युग के बीच नैतिक शिक्षण अनिवार्य बना हुआ है। शिक्षकों को एआई नैतिकता और जिम्मेदारी से जुड़े शिक्षण और सीखने को पाठ्यक्रमों में जोड़ना चाहिए, डेटा गोपनीयता, एल्गोरिथम पूर्वाग्रह और एआई सिस्टम से संबंधित नैतिक निहितार्थों में महत्वपूर्ण सोच को बढ़ावा देना चाहिए। एआई परिवर्तनकारी युग न केवल शिक्षकों की पारंपरिक भूमिकाओं को फिर से परिभाषित करता है, बल्कि उन्हें एआई के लाभों का उपयोग करने में छात्रों को मार्गदर्शन और सलाह देने में सक्षम सुविधाप्रदाता के रूप में भी काम करने में सक्षम बनाता है, जिससे शैक्षणिक शिक्षण और सीखने में विकास को बढ़ावा मिलता है। इसके अलावा, एआई भौगोलिक बाधाओं को दूर करता है, दुनिया भर के छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा ऑनलाइन प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाता है। यह स्थान की सीमाओं से परे है जैसा कि पहले देखा गया था। शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र के तेजी से परिवर्तन के माध्यम से, शैक्षिक प्रणाली में एआई का एकीकरण छात्रों के सीखने के परिणामों को बढ़ाने के लिए असीमित अवसर प्रस्तुत करता है। हालाँकि, एआई की जीवंतता के लिए सभी शैक्षणिक संस्थानों द्वारा निरंतर अनुकूलन की आवश्यकता होती है, जिससे शिक्षण और सीखने की पद्धतियों में लचीलापन अनिवार्य हो जाता है। जैसे-जैसे शिक्षक इस परिवर्तनकारी मोड़ को अपनाते हैं, उन्हें तकनीकी नवाचारों के लिए एक अच्छी तरह से संतुलित दृष्टिकोण अपनाना चाहिए जो मानव-केंद्रित दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है। यह सुनिश्चित करता है कि एआई का एकीकरण एआई के युग में समग्र शिक्षा के अमूल्य सार को छुपाए बिना छात्रों को पूरी तरह से सशक्त बनाता है।

## अच्छा लिखने के लिए पढ़ने की आदत जरुरी है

प्रसिद्ध अमेरिकी बहुमुखी प्रतिभा के धनी बेंजामिन फ्रेंकलिन ने एक बार कहा था, मरने के बाद यदि आप चाहते हैं कि लोगों द्वारा जल्दी भूले न जाएं, तो आप कुछ ऐसा लिखें जो पढ़ने लायक हो या कुछ ऐसा करें जो लिखने के लायक हो। उपर्युक्त कथन से मानव जीवन में लिखने की कला का महत्व किसी आईने की तरह साफ हो जाता है। किसी भी भाषा के विधा में लिखने की कला को सबसे कठिन माना जाता है। वहीं प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रश्नों के उत्तर के साथ व्यक्तिगत जीवन में भी लिखने में शुद्धता और सटीकता काफी मायने रखती है। इसलिए शुद्ध रूप से लेखन कौशल को विकसित करने के लिए आपको महत्वपूर्ण बिंदुओं पर ध्यान देना आवश्यक है।

### स्पष्ट एवं छोटे वाक्य लिखें

कोशिश करें कि जब तक आवश्यक न हो, साधारण शब्दों का ही इस्तेमाल करें, क्योंकि भारी-भरकम शब्दों से अभिव्यक्ति स्पष्ट नहीं हो पाती है। इसके अलावा जहां तक संभव हो छोटे वाक्य लिखने का प्रयास करें। छोटे वाक्य लिखने से कंटेंट को समझना आसान हो जाता है। साथ ही व्याकरण की गलतियां रहने की भी कोई संभावना नहीं रह जाती है।

### छोटे पैराग्राफ बनाएं

छोटे पैराग्राफ में लिखने का प्रयास करें, क्योंकि लेखन के लिए बड़े पैराग्राफ अच्छे नहीं माने जाते हैं। इसके बारे में एक बेसिक नियम यह भी है कि हर नई बात को कहने के लिए एक नए पैराग्राफ की शुरूआत करें और जहां तक संभव हो एक्टिव वॉइस में ही लिखने का प्रयास करें।

### नए विचारों को महत्व दें

लेखन को आकर्षक बनाने के लिए लेख में महापुरुषों की सूक्तियों और नए विचारों को शामिल करें और उन्हें दोहराएं नहीं। क्योंकि दोहराए गए विचार लेख को नीरस बना देते हैं। इसके अतिरिक्त पाठक को घुमाएं नहीं, आप जो कुछ भी अपने लेख के माध्यम से कहना चाहते हैं। उसे साफ व स्पष्ट शब्दों में लिखने का प्रयास करें और जब तक अनिवार्य न हो विदेशी भाषा के शब्दों का इस्तेमाल करने से बचें।

### अपने लेख को प्रूफ रीड करें

किसी भी लेख का महत्व तब अधिक बढ़ जाता है, जब आप उसकी सही ढंग से एडिटिंग एवं प्रूफ रीडिंग करते हैं। इसलिए लेख लिखने के तुरंत बाद सबसे पहले लिखे हुए टेक्स्ट की ध्यानपूर्वक एडिटिंग और प्रूफ रीडिंग करें, क्योंकि इसके बिना कोई भी लेखन कार्य अधूरा होता है। लिखने से पहले सब्जेक्ट मैटर के बारे में भी रिसर्च करें, और आवश्यक जानकारियों का संग्रह अपने पास रखें। विभिन्न विषयों को पढ़ें लेखन कौशल को मजबूत करने के लिए विभिन्न विषयों पर आधारित पुस्तकों को पढ़ें। पढ़ना लेखन कला की सबसे पहली और महत्वपूर्ण सीढ़ी मानी जाती है। विभिन्न विषयों को पढ़ने से लेखन कला विकसित होती है, जिसकी मदद से आप एक अच्छा लेख लिख पाते हैं।

### पढ़ने के साथ लिखने का अभ्यास

अन्य कलाओं की तरह लेखन कौशल में भी महारत अभ्यास से ही हासिल होती है। इसीलिए पढ़ने के साथ लिखने का अभ्यास भी निरंतर रूप से जारी रखें।

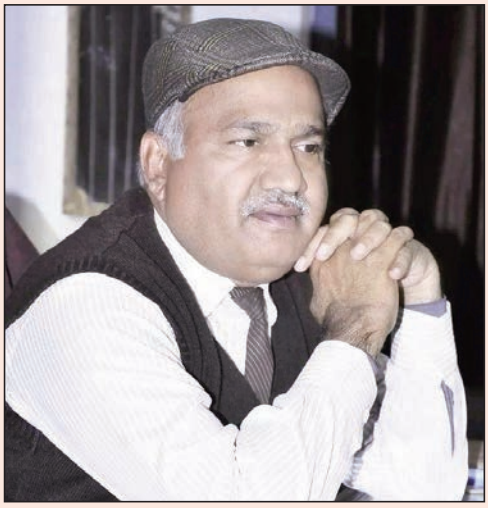

## कम न होने पाए बुजुर्गों का सम्मान

बीते दिनों झारखंड हाई कोर्ट ने एक पारिवारिक मामले में अहम फैसला सुनाते हुए कहा कि बुजुर्ग सास, दादी सास की सेवा करना बहू का कर्तव्य है। यह भारतीय संस्कृति का हिस्सा है। अदालत ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51-ए में निहित मौलिक कर्तव्यों, यजुर्वेद और मनुस्मृति का भी हवाला दिया। उसने यजुर्वेद का जिक्र करते हुए कहा हे महिला, तुम चुनौतियों से हारने के लायक नहीं हो, तुम सबसे शक्तिशाली चुनौती को हरा सकती हो । मनुस्मृति का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस परिवार की महिलाएं दुखी होती हैं, वह परिवार जल्द ही नष्ट हो जाता है। जहां महिलाएं संतुष्ट रहती हैं, वह परिवार हमेशा फलता-फूलता है। वहीं अनुच्छेद 51- ए का उल्लेख करते हुए कहा, ₹मौलिक कर्तव्यों में हमारी समग्र संस्कृति की समृद्ध विरासत को महत्व देने और संरक्षित करने का प्रविधान है।₹ देखा जाए तो हमारा समाज पुरुष और महिलाओं देनों से कुछ उम्मीदें करता है। विवाह के बाद पुरुष से उम्मीद की जाती है कि वह पैसे कमाकर अपना घर चलाएगा पत्नी की देखभाल करेगा और उसकी जरूरतों का ख्याल रखेगा। वहीं महिलाओं से उम्मीद की जाती है कि वह पति, बच्चों और ससुरालवालों की अच्छे . से देखभाल करेगी। बुढ़ापे में सास-ससुर की सेवा करेगी। एक परिवार की तरक्की में बुजुर्गों का बड़ा योगदान होता है। वे परिवार की रीढ़ होते हैं। घर में बुजुर्गों के रहने से बच्चों के अलावा अन्य लोगों को भी सहारा रहता है। बुजुर्ग स्वजनों में संस्कार निर्माण में सहायक होते हैं। उनकी सूझबूझ से परिवार पर आने वाली हर मुश्किल दूर होती है। बुजुर्ग हमारे लिए भगवान से कम नहीं होते हैं, जिनके घर में बुजुर्ग होते हैं, वे सबसे खुशनसीब होते हैं। उनके होने से बच्चों को माता-पिता के साथ-साथ दादा-दादी का भी प्यार मिलता है। उनके बिना खुशहाल परिवार की कल्पना नहीं की जा सकती है। यही कारण है कि खुशहाल परिवार के लिए घर में बुजुर्गों का होना बहुत जरूरी माना गया है, क्योंकि वे परिवार को एक सूत्र में बांधकर ले चलते हैं। बुजुर्गों के साथ रहना हमारी संस्कृति रही है। उनसे अलग रहकर कोई भी परिवार तरक्की नहीं कर सकता है। इसलिए हमें बुजुर्गों की सेवा करने का मौका गंवाना नहीं चाहिए। जिस प्रकार माता-पिता कठिन परिस्थितियों में भी अपने बच्चों का बहुत ही प्यार से पालन-पोषण करते हैं । उसी प्रकार युवाओं को भी बुजुर्गों की देखभाल में कोई कमी नहीं छोड़नी चाहिए। युवाओं को बुजुर्गों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने की जरूरत है। अगर वे बुजुर्गों के साथ उचित व्यवहार नहीं करेंगे तो आगे चलकर उनको भी इस दौर से गुजरना पड़ सकता है।

**विजय गर्ग**

**सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य शैक्षिक स्तंभकार मलोट**

# आर के पुरम जैन मंदिर कोटा में भव्य एतिहासिक मंगल अगवानी होगी 27 जैन संतो की 5 फरवरी को

**कोटा. शाबाश इंडिया।** कई जन्मों का पुण्य सिमट कर जब जीवन में आता है तब जाकर एक साथ 27 जैन संतो का जीवन में दर्शन मिल पाता है। श्रद्धा भक्ति समर्पण का दौर यह आया है धर्म प्राण कोटा नगरी का सौभाग्य जग आया है संत जब आते है तो प्रकृति मुस्कुराती है संत विकृति के बाजार में संस्कृति का संखनांद करने आते है। धरती बीछोना है आसमान ओढ़ना है संयम तप त्याग जिनका गहना है अंजुली भर लेते है सागर भर देते है विष को अमृत और पतित को पावन कर देते है। नाम विशुद्ध और चारित्र विशुद्ध और विशुद्धता के धारी है विशुद्ध सागर गुरुवर को शत शत नमन हमारी है। चर्या शिरोमणि आचार्य भगवन श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ (27 पिच्छी) का मंगल प्रवेश 5 फरवरी 2024 सोमवार के दिन जंगल वाले बाबा मुनि श्री चिन्मय सागर जी महाराज की पावन प्रेरणा से निर्मित श्री 1008 मुनिसुब्रतनाथ दिगंबर जैन(त्रिकाल चौबीसी) मंदिर आर.के. पुरम में होने जा रहा है।इस अवसर पर पूरे संघ की आहारचार्य का परम सौभाग्य भी आर .के.पुरम जैन समाज को प्राप्त होगा। मंदिर समिति के अध्यक्ष अंकित जैन महामंत्री, अनुज जैन कोषाध्यक्ष, ज्ञानचंद जैन ने जानकारी देते हुवे बताया कि इस अवसर पर धर्म सभा आयोजित की जाएगी। धर्म सभा में चित्र अनावरण शास्त्र भेट गुरुदेव का पक्षालन भी किया जाएगा। राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी एवम मंदिर समिति के प्रचार प्रसार मंत्री पारस जैन पार्श्वमणि व अंशुल जैन ने बताया कि महावीर नगर द्वितीय स्थित संत भवन लोकार्पण के बाद वहा से परम पूज्य चर्या शिरोमणि आचार्य 108 श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ विशाल जुलूस के साथ रवाना होगे। जगह जगह स्वागत द्वारा बनाए जायेगे सेकडो की संख्या में श्रावकजन साधु संतो की मंगल आरती उतार कर पाद प्रक्षालन करेगे। केशरिया परिधान में महिलाएं और सफेद ड्रेस में पुरुष भक्ति रस में संगीत की मधुर धुनों पर डूबते हुवे चलेगै । कार्याध्यक्ष प्रकाश जैन ने बताया कि इस अवसर पर सकल दिगंबर जैन समाज समाज समिति के अध्यक्ष विमल जैन नांता महामंत्री विनोद टोरडी कार्याध्यक्ष जे.के.जैन, प्रकाश बज राजमलजी पाटोदी, अनिल ठोरा, मनोज जैसवाल, पवन पाटोदी, महावीर जैन, चंद्रेश जैन, पदम जैन, हरक चंद गोधा, मुकेश पापड़ीवाल, राजकुमार वेद, पंकज जैन, मनीष जैन अशोक पाटनी विकास अजमेरा, दीपक जैन डीसीएम, बाबूलाल जैन, नरेशजी-निशाजी वेद एस के जैन, अमोलक चंद जैन विमल जैन इत्यादि लोग उपस्थित रहेंगे। समस्त आयोजन का सीधा प्रसारण पारस टी वी चैनल पर विनोद जैन टोरडी एम डी (पारस टी वी चैनल)परिवार द्वारा दिखाया जायेगा।

**प्रस्तुतिः राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी पारस जैन पार्श्वमणि कोटा @9414764980**

## धार्मिक संस्कारों से ओत- प्रोत हो रहे हैं बच्चे

**रोहित जैन. शाबाश इंडिया**

नसीराबाद। बाहुबली दिगंबर जैन पाठशाला के बच्चे पूजा-अर्चना कर धार्मिक संस्कारों से ओत- प्रोत हो रहे हैं। पाठशाला में अध्ययनरत बच्चों को रविवार को सोनू सोनी, सुरभि सेठी, व निधि जमोरिया आदि ने आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में अष्ट द्रव्यों से देव, शास्त्र, गुरु की पूजा करवाई। जैन पाठशाला के बच्चे आचार्य विवेक सागर महाराज की प्रेरणा से प्रत्येक रविवार को पूजा-अर्चना कर धर्म प्रभावना कर रहे हैं।

# चर्या शिरोमणि आचार्य श्री विशुद्धसागर जी गुरुदेव का जीवन परिचय

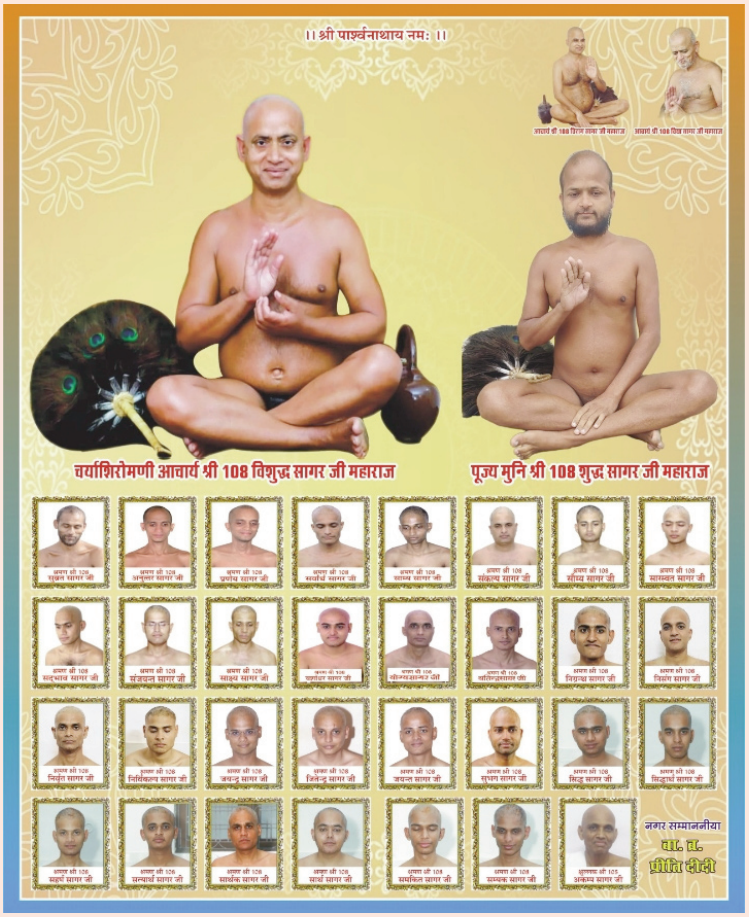


**शाबाश इंडिया।** चर्या शिरोमणि आचार्य श्री विशुद्धसागर जी का जन्म 18 दिसम्बर 1971 को भिडं (म.प्र.) मे हुआ था । उनके पिता का नाम राम नारायण जी जैन ( मुनि श्री विश्वजीत सागर जी ) व माता का नाम श्रीमती रत्तीबाई जैन है। आचार्य श्री 108 विराग सागर जी महाराज द्वारा क्षुल्लक दीक्षा (11 अक्टुबर 1989 भिडं), ऐलक दीक्षा (19 जून 1991 पन्ना) , मुनि दीक्षा (21 नवंबर 1991 श्रेयासं गिरि) एवमं आचार्य पद (31 मार्च 2007 महावीर जयन्ती औरंगाबाद महाराष्ट्र) प्राप्त किया।

दीक्षा गुरु आचार्य 108 विराग सागर जी महाराज
पद विहार :- दस राज्य, 86000 किलोमीटर
पंच कल्याणक :- 133 (2022 तक)
मुनि दीक्षा :- 47
छूल्लक दीक्षा :- 7
साहित्य सृजन 200 कृतियां
देशना ग्रंथ 80
काव्य लेखन :- 5000
नीति शास्त्र :- 36 कृतियां (20 हजार सूक्तियां)
समग्र साहित्य :- 11,50,000 श्लोक प्रमाण
रस त्याग :- नमक मीठा दही तेल
प्रसिद्धि :- आध्यात्मिक प्रवचनकार
रुचि :- अध्ययन अध्यापन मौन
मातृ भाषा :- हिंदी
संकलनकर्ता : राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी
पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार कोटा @ 9414764980

## वेद ज्ञान

# संतुलित भोजन अच्छे स्वास्थ्य की पहली आवश्यकता

स्वस्थ रहने का प्रसन्न रहने से सीधा-सीधा संबंध है जो केवल उपयुक्त खाने-पीने तक से संभव नहीं है। यद्यपि पर्याप्त और संतुलित भोजन अच्छे स्वास्थ्य की पहली आवश्यकता है फिर भी कुछ बातें ऐसी भी हैं जो भोजन से परे हैं। यह सवाल इसलिए और भी जरूरी हो जाता है जब इन दिनों शारीरिक के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य की चिंता बच्चों तक में दृष्टिगत होने लगी है। समुचित मात्रा में खाद्य पदार्थ जीव को शारीरिक तंदरुस्ती के लिए आवश्यक तत्व प्रदान करते हैं, लेकिन अच्छे स्वास्थ्य के लिए कुछ तत्व ऐसे भी हैं जो खुश रहने से ही मिलते हैं और जिनके बारे मे मानव सभ्यता के विकास के दौरान चिंतनशील लोगों ने समय-समय पर चेताया है। जब हम किसी बीमारी के कारण कष्ट में होते हैं तो इस कष्ट की शरीर पर दोहरी मार पड़ती है। एक तो शरीर जैविक तौर पर बीमारी से जूझता है और दूसरे बीमारी से उत्पन्न होने वाले मानसिक दुख का भी शरीर पर काफी प्रतिकूल असर पड़ता है। बीमारी के जैविक पहलू को तो डॉक्टरों और दवाओं से संभाला जा सकता है, लेकिन बीमारी से उत्पन्न कष्ट के कारण हो रही हानि को न तो डॉक्टर और न ही दवाएं ठीक कर सकती है और इसीलिए हम अक्सर डॉक्टरों से यह सलाह सुनते हैं कि हौसला रखिए, बीमारी को भूले रहिए आदि-आदि। इसके पीछे विचार यही है कि मानसिक कष्ट की दवा डॉक्टर के पास भी नहीं होती है और यदि वह कहीं है तो वह हमारे पास ही है जिसे समझने भर की जरूरत है। जो व्यक्ति इसे समझ लेता है उसका हौसला बड़ी से बड़ी बीमारी भी नहीं डिगा सकती। कभी-कभी होता है कि कोई व्यक्ति किसी बीमारी से पीड़ित होता है, लेकिन जब तक उसे उस बीमारी का ज्ञान नहीं होता है तब तक उसका शरीर उससे अंदरूनी तौर पर जूझ रहा होता है और उस पर उस बीमारी का कोई प्रतिकूल असर भी नहीं होता है, लेकिन जैसे ही उसे उस बीमारी का पता लगता है वह अच्छी डॉक्टरी देखभाल के बावजूद लड़खड़ा जाता है। कारण यही है कि जैसे ही बीमारी के मानसिक कष्ट की वजह से व्यक्ति दुखी होने लगता है तो वह बहुत से स्वतः प्रवृत्त रक्षात्मक उपायों से अपने शरीर को वंचित कर देता है।

## संपादकीय

# भ्रष्टाचार को लेकर रस्साकशी जारी

अभी दिल्ली के मुख्यमंत्री और प्रवर्तन निदेशालय के बीच जोर आजमाइश चल रही है। आबकारी नीति में हुई कथित अनियमितताओं को लेकर प्रवर्तन निदेशालय नें पांचवीं बार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पूछताछ के लिए नोटिस भेजा, मगर उन्होंने फिर यह कह कर उसे टाल दिया कि नोटिस अवैध है। चंडीगढ़ के मेयर चुनाव में हुई कथित गड़बड़ी को लेकर पार्टी ने दिल्ली में भाजपा मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। इसमें अरविंद केजरीवाल को भेजे गए नोटिस का मुद्दा भी शामिल था। खुद केजरीवाल ने इसे लेकर प्रेसवार्ता की और बताया कि किस तरह केंद्र सरकार उनकी सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है। वह नहीं चाहती कि वे आम चुनाव में प्रचार करने जा सकें। उन्होंने बताया कि शराब घोटाला मामले में लंबे समय से सीबीआई और ईडी जांच कर रही हैं, मगर उन्हें आज तक एक भी पुख्ता सबूत हाथ नहीं लगा है। यह पहली बार नहीं है, जब अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी इस मामले को बेबुनियाद, मनगढ़ंत और बेवजह परेशान करने की नीयत से रचा गया बता रहे हैं। जब यह मामला सामने आया, तबसे लेकर अब तक उनका यही दावा है कि वे कट्टर ईमानदार लोग हैं, उनके पास छिपाने को कुछ नहीं है। मगर अब प्रवर्तन निदेशालय पर शायद उनके तर्कों, शक्ति प्रदर्शन और राजनीतिक हथकंडों का शायद ही कोई असर पड़े। ईडी को कानूनी अधिकार हैं कि तीन बार से अधिक नोटिस भेजे जाने के बावजूद कोई व्यक्ति पूछताछ के लिए हाजिर नहीं होता है, तो वह उसे गिरफ्तार कर सकता है या उसके कुछ अधिकारी उससे पूछताछ कर सकते हैं। हालांकि पिछले साल अप्रैल में सीबीआई केजरीवाल से करीब नौ घंटे पूछताछ कर चुकी है। मगर ईडी से वे बचते फिर रहे हैं। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी ऐसे ही तर्कों के साथ ईडी का सामना करने से बच रहे थे। आखिरकार अधिकारियों ने उनके कार्यालय में जाकर पूछताछ की और जब वे अपने पक्ष में संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाए, तो दो दिन पहले उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। अरविंद केजरीवाल खुद यह बात कह रहे हैं कि यही प्रक्रिया उनके साथ भी दोहराई जा सकती है। पहले ही इसे लेकर वे पार्टी कार्यकर्ताओं और विधायकों की बैठक करके रणनीति तय कर चुके हैं कि अगर उन्हें गिरफ्तार किया गया, तो उस स्थिति में क्या करना होगा। बेशक ईडी और सीबीआई की कार्यशैली लंबे समय से प्रश्नांकित की जा रही है, पर यह सवाल अपनी जगह बना हुआ है कि अगर अरविंद केजरीवाल सचमुच बेदाग हैं, उनका शराब घोटाले से कोई लेना-देना नहीं, तो फिर उन्हें ईडी के सवालों से बचने की जरूरत क्या है। उन्हें अपने पक्ष में सबूत पेश करने में हिचक क्यों होनी चाहिए। एक समय वे खुद कामकाज में पारदर्शिता के लिए आरोपी नेताओं को कानून का सामना करने की वकालत करते थे। फिर उन्हें इस मामले में कन्नी काटने की क्या जरूरत? **-राकेश जैन गोदिका**

## परिदृश्य

# दीर्घकालिक योजना

पिछले दस वर्षों में मोदी सरकार द्वारा किए गए संरचनात्मक सुधारों के अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले सकारात्मक परिणामों का ब्योरा प्रस्तुत करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अंतरिम बजट में 2047 तक देश को विकसित बनाने की एक दीर्घकालिक योजना का रोडमैप प्रस्तुत किया है। वैश्विक आर्थिक चुनौतियों, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों और मुद्रास्फीति के दबावों जैसी तात्कालिक चुनौतियों के बीच भी वित्त मंत्री राजकोषीय घाटे को 5.8 प्रतिशत तक संतुलित करने, पूंजीगत व्यय को प्राथमिकता देने, हरित और समावेशी विकास पर बल देने में सफल रही हैं। देश को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने गरीबों, महिलाओं, युवाओं और किसानों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही है। विकसित देश की तरफ कदम बढ़ाते हुए पूंजीगत व्यय पर फोकस किया है। पूंजीगत परिव्यय में लगभग 11 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि रखी गई है, जो जीडीपी का 3.4 प्रतिशत है। इसके अंतर्गत तीन प्रमुख आर्थिक रेलवे कारिडोर बनाए जाएंगे। यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और आराम बढ़ाने के लिए चालीस हजार सामान्य रेल बोगियों को वंदे भारत मानकों के अनुरूप परिवर्तित किया जाएगा। विमानन क्षेत्र एवं मेट्रो का विस्तार होगा। देश के विकास में महिलाओं की बढ़ती भूमिका का असर भी अंतरिम बजट में दिखा। इसी दिशा में लखपति दीदी कार्यक्रम के लक्ष्य को दो करोड़ से बढ़ाकर तीन करोड़ करने का निर्णय लिया गया है। उल्लेखनीय है कि नौ करोड़ महिलाओं के साथ 83 लाख स्वयं सहायता समूह ग्रामीण सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को बदल रहे हैं। वहीं सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए नौ से 14 वर्ष की आयु की लड़कियों के टीकाकरण की बात कही गई है। सक्षम आंगनबाड़ी और पोषण 2.0 के तहत मातृ एवं शिशु देखभाल के लिए विभिन्न योजनाओं को एक व्यापक कार्यक्रम के तहत लाने की बात कही गई है। निश्चित रूप से इससे बेहतर पोषण वितरण और प्रारंभिक बचपन देखभाल कार्यक्रम में तेजी आएगी। आयुष्मान भारत योजना के तहत अब स्वास्थ्य देखभाल कवर करने वाली सभी आशा कार्यकर्ताओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं का सशक्तीकरण किया जाएगा। कृषि क्षेत्र की तीव्र वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए निजी और सार्वजनिक निवेश को बढ़ावा देने की बात भी अंतरिम बजट में कही गई है। विभिन्न फसलों पर नैनो डीएपी के प्रयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। तिलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए व्यापक प्रयास किए जाएंगे। दुधारू पशुओं की उत्पादकता को बढ़ाने के लिए बुनियादी ढांचा विकास निधि बनाई जाएगी। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत जलीय कृषि उत्पादकता को मौजूदा तीन से बढ़ाकर पांच टन प्रति हेक्टेयर तक किया जाएगा। हालांकि प्रत्यक्ष कर संग्रह के बढ़ने एवं रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या में तेज बढ़ोतरी के बाद भी कर के स्लैब में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। बस मौजूदा घरेलू कंपनियों के लिए कारपोरेट टैक्स की दर 30 प्रतिशत से घटाकर 22 प्रतिशत और कुछ नई विनिर्माण कंपनियों के लिए 15 प्रतिशत की गई है। साथ ही नवाचार को प्रोत्साहन देने के लिए पचास साल के लिए ब्याज मुक्त ऋण से एक लाख करोड़ रुपये का कोष स्थापित होगा।

# मीनू स्कूल गूंजा किलकारी से

## 16वें किलबिल 5 हजार से ज्यादा दिव्यांग व गैर दिव्याग बच्चे साथ में झूमें

**अजमेर. शाबाश इंडिया**

राजस्थान महिला कल्याण मण्डल चाचियावास के द्वारा संचालित मीनू स्कूल में आयोजित 16वें किलबिल बाल मेले में 5000 से ज्यादा दिव्यांग व गैर दिव्यांग बच्चों की किलकारी से मेला मैदान गूंज उठा। संस्था निदेशक राकेश कुमार कौशिक ने बताया कि दिव्यांग व गैर दिव्यांग बच्चों को साझा मंच देकर इन्क्लूसिव बाल मेले के माध्यय में समुदाय में जागरूकता लाकर दिव्यांग एवं गैर दिव्यांग के भेद को दूर करने का प्रयास है। किलबिल का उद्घाटन डॉ. कुलदीप शर्मा, डॉ. आर.के. श्रीवास्तव, मंजुला मिश्रा, अम्बिका हेड़ा, सामरत्न आर्य, जयसिंह मेवाड़ा, जसराज गूर्जर, सर्वेश्वर शास्त्री, कैलाश रावत, गोविन्द प्रसाद गर्ग, अतिरिक्त पुलिस अधिक्षक महमूद खान, करण सिंह चौहान, दातार सिंह, ओजस कुमार, एस. के. जैन, जितेन्द्र सैन, अंजू जाजू ने संयुक्त रूप से किया। बच्चों ने मनोरंजक, और रोचक गतिविधियों, खेल गतिविधियों उत्साहवर्धक प्रतियोगिताओं में भाग लेकर पुरस्कार जीते। चैलेजिंग चैलेन्जेज गतिविधियों के माध्यम से गैर दिव्यांग को विशेष आवश्यकता बाले बच्चे के दैनिक क्रिया कलापों में आने वाली चुनौतियों को महसूस कराते हुए समानुभूति का भाव विकसित कर संवेदनशील बनाने का प्रयास किया गया जिसमें बच्चों के साथ बड़ों ने भी भाग लेकर दिव्यांगजन की चुनौतियों को समझा। संस्था सचिव एवं मुख्यकार्यकारी क्षमा आर. कौशिक ने बताया कि 16 वें किलबिल बालमेले में अजमेर, ब्यावर, पुष्कर, किशनगढ़, रूपनगढ़ आदि क्षेत्रों की 45 स्कूलों के लगभग 5000 बच्चे एवं अध्यापकों ने शिरकत की मीनू स्कूल, उम्मीद स्कूल, अद्वैत केन्द्र तथा सी.बी.आर. के बच्चों ने एक से बढ़कर एक नृत्य, प्रस्तुतियॉ दी जिससे पूरा मेला मैदान झूम उठा। फन जोन की गतिविधियों में आनन्दित होते हुए मस्ती के साथ भाग लेते हुए बच्चों ने फूड जोन में विभिन्न व्यंजनों का भी खूब लुफ्त उठाया। कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन्स फाउण्डेशन के सहयोग से संचालित एक्सेस टू जस्टिस परियोजना की संस्था टीम के द्वारा बाल अधिकार और बाल संरक्षण के मुद्दों पर लगाई प्रदर्शनी मुख्य आकर्षण का केन्द्र रही जिसमें मेले में भागीदार बच्चों ने बाल यौन शोषण, बालश्रम, बाल तस्करी, बाल विवाह आदि से बचाव के लिए जानकारी ली। ईनामी कूपन भी रोमांच भरा रहा, प्रथम पुरस्कार लेपटॉप, द्वितीय पुरस्कार में एल.ई.डी. टेलीविजन, तृतीय पुरस्कार स्मार्ट फोन और 500 आकर्षक पुरस्कार ड्रा में अतिथियों और मीनू स्कूल के बच्चों के द्वारा निकाले गए। इनाम जीतने वाले सहभागी खुशी से झूम उठे। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रूपश्री जैन जोन कॉर्डिनेटर इंटरनेशनल जेन सोशल ग्रुप नॉर्थन रीजन जयपुर व मनोज जैन एवम अन्य सम्मानिय अतिथि गण डॉ अमर दुबे, अतुल पाटनी, मधु पाटनी, डॉ अनूप आत्रे, अनुभा जैन, आशा दुबे, आर.पी.एफ. इन्सपेक्टर लक्ष्मण गौड़, तुहिना बनर्जी, विजया गोलानी, दीपा जेठानी, किशनजी नायक, राधा अग्रवाल संगीता सामन्त, पुजा गुप्ता आदि ने शिरकत करते हुए दिव्यांग बच्चों के विकास के लिए किलबिल को बहुत महत्वपूर्ण बताया। संस्था टीम के तरूण शर्मा, अनुराग सक्सेना, नेमीचन्द वैष्णव, नानूलाल प्रजापति, भगवान सहाय शर्मा, ईश्वर शर्मा, भंवर सिंह गौड़, प्रेरणा शर्मा, सत्तार मोहम्मद आदि ने मेला प्रबंधन एवं व्यवस्थापन किया। मंच संचालन नानूलाल प्रजापति ने किया। संस्था की सागर कॉलेज, मीनू स्कूल, अद्वैत व उम्मीद केन्द्र, सी.बी.आर., आजीविका संवर्धन, बाल अधिकार व बाल संरक्षण की अजमेर, नागौर, बीकानेर, चुरू एवं झुन्झुनु टीम ने शिरकत करते हुए सहयोग किया। यंग ईण्डिया, बी.एन.आई. ग्रुप फ्लाईंग बर्ड ने बच्चों के लिए मनोरंजक खेल गतिविधियों का आयोजन किया। संस्था सचिव एवं मुख्यकार्यकारी क्षमा आर. कौशिक तथा निदेशक राकेश कुमार कौशिक ने सभी सहयोगियों एवं हितभागियों का स्मृति चिन्ह देकर आभार प्रकट किया तथा किलबिल एवं संस्था की जानकारी देते हुए मेले की गतिविधियों का अवलोकन करवाया।

## विद्वत्परिषद् जयपुर महानगर-''होंगे तत्वार्थसूत्र आधारित कार्यक्रम''- कार्यकारिणी मीटिंग

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** को श्री अ. भा. दिग. जैन विद्वत्परिषद् की जयपुर महानगर इकाई की कार्यकारिणी की मीटिंग पण्डित कैलाशचन्द्र मलैया का अध्यक्षता में वीरेन्द्र कुमार जैन संगठन मंत्री के निज निवास पर सम्पन्न हुई। सामूहिक णमोकार मंत्र के पश्चात महासचिव डॉ.भागचन्द जैन ने कार्यवाही प्रारंभ की, पूर्व कार्यक्रम का विवरण प्रस्तुत किया एवं विद्वत्परिषद् की भावी योजना हेतु विचार आमंत्रित किये। जिसमें प्रो.श्रीयांस सिंघई, डॉ. अखिल बंसल, प्रतिष्ठाचार्य डॉ. विमल कुमार जैन, डॉ. अरविन्द कुमार जैन, राजेश जैन, अनिल जैन, दिनेश जैन, वीरेन्द्र जैन, अनेकान्त भारिल्ल आदि विद्वानों ने अपने विचार प्रकट किये जिसके आधार पर प्रस्ताव पारित किये गये- 1. मोक्षमार्ग प्रकाशक के विभिन्न प्रकाशनों की समीक्षा एवं मूल प्रति से मिलान करना जिस पर प्रो. श्रीयांस सिंघई ने अपनी टीम बनाकर कार्य करने की सहमति प्रदान की। 2. घर- घर मासिक णमोकार मंत्र का पाठ। 3. तत्वार्थसूत्र आधारित गतिविधियां करना। तत्पश्चात नये पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। कोषाध्यक्ष श्रीमन्त नेज ने विगत आय- व्यय का व्यौरा दिया। अध्यक्षीय भाषण में मलैया ने विद्वान एवं समाज हित अनेक नवाचार करने की प्रेरणा दी।

# शिवलिंग दर्शन के लिए भक्तों का रेला

**सुशील चौहान. शाबाश इंडिया**

**भीलवाड़ा।** भीलवाड़ा में इनदिनों पोस्ट ऑफिस के पास वाले संकट मोचन हनुमान मंदिर के महंत बाबूगिरी जी खूब चर्चा में है। और उसका कारण है वहां दर्शन के लिए रखा प्राकृतिक शिवलिंग जो मुंबई में स्थापित होना है और भीलवाड़ा में शिव भक्तों के लिए विशेष रूप से रखा गया है। ये सारे प्रयास बाबूगिरी जी महाराज के है और इसीलिए उनकी चर्चा है। इस अद्वितीय शिवलिंग को ओंकारेश्वर के आलोक गिरी महाराज यहां लाएं हैं। इस शिवलिंग की खासियत यह हैं कि सफेद रंग के शिवलिंग के भीतर सुनहरे रंग का एक और शिवलिंग हैं और उसके मस्तिष्क पर लाल रंग का तिलक हैं। जो प्रकृति की अनूठी मिसाल हैं। ऐसे शिवलिंग के दर्शन अलौकिक माने जाते हैं। बाबूगिरी जी ने बताया इसकी कीमत एक करोड़ रुपए हैं। क्या नहीं किया हैं बाबूगिरी महाराज ने। इन्हीं का प्रयास हैं कि आज मंदिर आस्था का केंद्र बना हुआ हैं। मंगलवार और शनिवार को तो भक्त लोग आते ही हैं और अन्य दिन भी भक्तों का आना जारी रहता हैं। यहां आने वाले भक्तों को बाबूगिरी जी महाराज मंदिर की ओर से प्रसाद भी देते हैं। बाबूगिरी जी ने जब से मंदिर की बागडोर संभाली हैं तब से मंदिर की अलग ही पहचान हैं। हनुमान जयंती पर विशाल कार्यक्रम होता हैं। जिसका जिले वासियों को बेताबी से इंतजार रहता हैं। यहां हनुमान जयंती पर काजू कतली का प्रसाद बनाया जाता हैं जो भक्तों में वितरित किया जाता हैं। इसके अतिरिक्त जन्माष्टमी पर भगवान कृष्ण की झांकियां सजाई जाती हैं। भजन संध्या में भी उम्दा भजन गायक बुलाते हैं। भक्त भजनों की सुरलहरी में डूब जाते हैं। भक्तों को दीपावली के बाद होने वाले अन्नकूट का भी इंतजार रहता हैं। अन्नकूट बहुत ही स्वादिष्ट बना होता हैं। बाबूगिरी जी महाराज की ओर से हनुमान जी की मूर्तियां भी निःशुल्क दी जाती हैं। दूरदराज से भक्त मूर्तियां लेने आते हैं। कारोई के निकट लेटे हनुमान का मंदिर भी आस्था का केंद्र बनता जा रहा हैं। मंहत बाबूगिरी जी को पानी वाले बाबा के नाम से भी जाना जाता हैं। गर्मियों में बाबूगिरी जी ने पूर्व में पानी की ट्रालियों से लोगों के सूखे कंठों का तर करने का भी प्रयास किया। तो लोग इन्हें पानी वाले बाबा के नाम से पुकारने लगे।

## नवीन सेन जैन लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

बैंक ऑफ बडोदा रिटायर्ड ऑफिसर्स एसोसिएशन की ओर से आयोजित एक भव्य समारोह में बैंक के सेवानिवृत सीनियर मैनेजर नवीन सेन जैन को उनकी धर्म पत्नी शशी सेन जैन के साथ तिलक, माला, शॉल, स्मृति चिन्ह और अमृत अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

# शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के स्वस्थ शीघ्र होने हेतु शांतिनाथ मंडल विधान पूजा आयोजित की गई

**प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया**

भीलवाड़ा। आर.के.कॉलोनी स्थित श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के शीघ्र स्वस्थ की कामना हेतु शांतिनाथ मंडल विधान पूजा उत्साह पूर्वक आयोजित की गई। विधान के पुण्यार्जक जयेद्र- श्रीमती रेखा बिलाला परिवार एवं सकल दिगंबर जैन समाज आर.के. कॉलोनी के तत्वाधान में विधानाचार्य संजय कासलीवाल के निर्देशन में विधान पर पांच मंगल कलशो की स्थापना कर विधि- विधान पूर्वक विधान का शुभारंभ हुआ। संगीत पार्टी के वाद्य यंत्रों की मधुर स्वर में श्रावक-श्राविकाओं ने भक्ति- भाव से विधान पर श्रीफल अर्ग समर्पण किये। बारी - बारी से सभी श्रद्धालुओं ने 120 अर्ग समर्पण किये। आचार्य श्री विद्यासागर जी के शीघ्र स्वस्थ हेतु उनके जीवन पर आधारित गीत गाकर उन्हें नमन किया। स्थानीय मंदिरों में भी आज आचार्यश्री के शीघ्र स्वस्थ हेतु शांतिधारा भी की गई। श्रीमती पूनम कोठारी एवं सुरेंद्र गोधा ने विधान में अपना सहयोग देकर कार्यक्रम को उत्साहित किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

# चिंता से बनती चिता : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

**गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया।** श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी में विराजमान गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ धर्म की महती प्रभावना कर रही है। दिन - प्रतिदिन भक्तगण क्षेत्र पर पहुंचकर शांति प्रभु की भक्ति कर गुरु माँ का वात्सल्यमयी आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। पूज्य माताजी ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि - चिंता और चिता एक समान है, इसमें मात्र एक बिंदु का अंतर आता है। चिंता मानव को मृत होने के बाद जलाती हैं किंतु चिंता मनुष्य को जीवित रहने तक जलाती रहती है। चिंता से बचने के लिए स्वध्याय बहुत अच्छा उपाय है। स्वध्याय परम तप है अरिहंतों के प्रवचन आत्मा को सिद्व बना देते है। भगवान के वचन, जन्म, जरा, मृत्यु के लिए औषधि की तरह कार्य करते है। जिनवाणी औषधि का प्रयोग करने वाले को कभी कोई रोग नहीं हो सकते। जिनवाणी सर्वरोग नाशनी है, जिनवाणी रोग को जड़ मूल से नष्ट कर देती है। मोह रोग सबसे बड़ा रोग है मोहनीय कर्म के जाते ही सभी रोग चले जाते है। पूज्य गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी की संघस्थ आर्यिका विकक्षाश्री माताजी ससंघ का नौगावां से फिरोजपुर झिरका के लिए मंगल विहार हुआ।

# रंगरसिया 5-नानीबाई रो मायरो के पोस्टर का विमोचन

## विद्याधर नगर स्टेडियम मे 29 से 31 मार्च को होगा आयोजन

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

विद्याधर नगर स्टेडियम आयोजन समिति के तत्वावधान में 29 से 31 मार्च तक विद्याधर नगर स्टेडियम में फागोत्सव रंगरसिया-5 का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान सुविख्यात कथा वाचिका जया किशोरी दोपहर 1 बजे से नानीबाई रो मायरो कथा का वाचन करेंगी। आयोजन के पोस्टर का विमोचन शनिवार को किया गया। इस अवसर पर विद्याधर नगर स्टेडियम आयोजन समिति के सचिव अनिल संत, प्रदीप कविया, दीपक गर्ग, जितेश पारीक, लोकेश लक्ष्यकार और टिंकू राठौड़ उपस्थित रहे। समिति सचिव अनिल संत ने बताया कि इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में हास्य कवि सम्मेलन, होली धमाल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

### अपने-अपने श्याम हुआ रद्द

संत ने बताया कि पहले कार्यक्रम के दौरान ही युगवक्ता और प्रख्यात कवि डॉ. कुमार विश्वास की अपने-अपने श्यामरू कृष्ण कथा का आयोजन होना था लेकिन व्यस्तता के चलते उस कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया है। **फागोत्सव सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम**

**होंगे:** कार्यक्रम प्रतिदिन तीन चरणों में दोपहर, शाम और रात्रि को होगा। इस दौरान कवि सम्मेलन, फूलों की होली, लट्ठमार होली, शेखावाटी होली धमाल, कॉमेडी नाइट सहित सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे।

**शेखावाटी के कलाकारों द्वारा फागोत्सव:** कार्यक्रम में शेखावाटी के कलाकार नृत्य के साथ राजस्थानी होली धमालों से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेंगे। वहीं मथुरा और वृंदावन के कलाकारों द्वारा फागोत्सव के अंतर्गत सुमधुर बृज की होरियों के साथ फूलों की होली खेली जाएगी। बरसाना के कलाकार लट्ठमार होली से गुलाबी नगर के श्रद्धालुओं को रोमांचित करेंगे। हास्य कवि सम्मेलन में देश के ख्यातिप्राप्त कवि अपनी चुटीली रचनाओं से श्रोताओं को गुदगुदाएंगे।

## अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन से...

**धूप में बाप और चूल्हे पर माँ जलती है...**
**तब कहीं जाकर औलाद पलती है..!**

आज बच्चे तो हैं परन्तु बचपना खत्म सा हो गया है। संस्कार विहिन बच्चे -- घर, परिवार, समाज और देश में आतंकवादी से कम नहीं है। इसलिए माँ की गोद में, बालक जो सीखता है - वही ज़िन्दगी भर जीता है। माँ के दूध में अनन्त शक्ति और ऊर्जा है। यदि माँ धार्मिक और सुसंस्कारित है, तो सन्तान सदाचारी व संस्कारित होगी। सन्तान को अच्छी शिक्षा के साथ, अच्छे संस्कार देना अति आवश्यक है। ताकि आज का बालक कल का श्रेष्ठ नागरिक बन सके और लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत बना सके। अन्यथा आज का कड़वा सच तो यही है - मेरी छोटी बहू - न्यूयार्क में, छोटा बेटा - शिकागो में है। मेरा बड़ा बेटा-बहु शिकागो में है। मेरी बेटी-जमाई लंदन में है। अरे वाह! बहुत सुंदर - आप तो बड़े खुशकिस्मती इन्सान है। श्री मान जी आप कहाँ हो? मैं तो वृद्धाश्रम में हूँ। संस्कार विहिन शिक्षा का कु-परिणाम। आज बच्चे - बच्चे ना होकर पगले-पगलियाँ हो गये हैं। अच्छे कपड़े दो, तो फेक देते हैं। दाल, रोटी, सब्जी, चावल दो, तो थाली छोड़ देते हैं। और फटे पुराने चीथड़े वाले कपड़े दो, तो खुश हो जाते हैं। है ना पगले-पगलियाँ। पीजा, बरगर, इडली, डोसा दो, तो खुश हो जाते हैं। है ना पगले-पगलियाँ। जिन्हें ना अभी खाना आया और ना कपड़े पहनना आया। हमारे पिता जी के समय में दादा जी गाते थे - मेरा नाम करेगा रोशन-जग में मेरा राज दुलारा। हमारे जमाने में, हमने गाया - पापा कहते हैं-बड़ा नाम करेगा। आज हमारे बच्चे गा रहे हैं - बापू सेहत के लिये-तू तो हानिकारक है। सोचो ! कितना परिवर्तन आया है सोच और चिन्तन में...! **नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

## आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।


सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com